(निबंध लेखन (एच. एस. एस)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 101

"ज़िंदगी ही नशा है"

ईश्वर का सबसे बड़ा आविषकार है मनुष्य। वह दुनियाँ के सबसे बुद्धिमान प्राणी है। इस धरती में मनुष्य जीवन सभी प्राणियों के जीवन से विभिन्न है। वह सबसे खुशनसीब होते है। मनुष्य को बाकि जीवन-जंतुओं से अधिक सुविधाएँ है, जीवन का खतरा बहुत कम है और वह सुख से अपने जीवन बिताते है।

नशीली चीज़ों के लत लग जाने के बाद उस व्यक्ति को परमानंद महसूस होता है और वह और नशा करने केलिए जीना चाहता है। वैसे ही नशा करता है मनुष्य ज़िंदगी। अगर ज़िंदगी में हमें सभी खुशियाँ मिलेगी तो हम दुनियाँ छोड़कर जाना कभी नहीं चाहेंगे। हमें जीवन ही नशीली चीज़ों के जैसे लगेंगे। अगर हमें नशीली चीज़ों का लत लग जाते है तो हम और ज़्यादा उपयोग करना चाहते है वैसे ही अगर किसी को ज़िंदगी का

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

आनंद समझ आए तो वह ज्यादा-से-ज्यादा जीने को चाहेगा। जिंदगी हर कोई को कुछ ही दफा मिलता है तो हमें वह समय को कभी दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। हमें इस धरती में सबसे खुशी जीवन बिताने का श्रम करना चाहिए। हम आज सभी सुविधाओं के साथ जीते है। अगर किसी व्यक्ति को कोई दुख है या और कुछ परेशानी है तब भी जीवन या जिंदगी से नफरत कभी भी नहीं दिखाना चाहिए। मनुष्य जीवन में ही नहीं सब-के जीवन में खुशी और दुख होते है। सुख और दुख दिन और रात जैसे ही है कुछ के बाद कुछ जरूर आता है। तो अगर कुछ के जीवन में बहुत सारे परेशानियाँ और मुश्किलें ही तब भी हमेशा मुस्कुराहट के साथ उनका मुकाबला करके जिंदगी आगे बढ़ाना चाहिए। हम जब दुखी रहते है तो हमें विलियम वेड्सवर्थ कहना याद करना चाहिए जो है, "यह भी खत्म होगा" और महात्मा गाँधी का कहना जो है, "अगर आप दुखि हो तो आपके अपने जिंदगी में देखे हुए सबसे निसहाय व्यक्ति

का चेहरा याद करना चाहिए"। जब हम यह समझेंगे कि कई लोग है जो हमसे भी दुखपूर्ण जीवन बिताते है फिर भी हमसे ~~भी~~ भी ज़्यादा खुशी से जीवन बिताते हैं, तो हम अपने दुख को भूल सकेंगे।

ज़िंदगी सबसे खूबसूरत है। इस धरती में जन्म लेना ही सबसे बड़ा पुण्य है। हमें सभी सुविधाएँ है। हमें प्यार करने वाले बहुत सारे लोग है हमारे साथ, बहुत खूबसूरत से स्थलों और स्वादिष्ट खाना भी उपलब्ध है। दुनियाँ बहुत विशाल है। यहाँ बहुत सारे जगहों है जहाँ के खूबसूरती का सीमा नहीं है। हमको हमारे माता-पिता बहुत प्यार करते है और हमारे लिए सभी सुविधाएं देता है। किसी भी व्यक्ति को एक बार भी मरने को नहीं सोचना चाहिए क्योंकि ज़िंदगी बहुत खूबसूरत है।

ईश्वर ने मनुष्य जीवन का आविषकार किया।

उसने जिंदगी दो तरह कि बनाई - खुशी जिंदगी और दुःखपूर्ण जिंदगी। हमारा फैसला है कि हमें किस तरह कि जिंदगी चाहिए। यदि हम अपने जीवन को सुंदर या दुखि बना सकते हैं। हर कोई खुशीवाला जिंदगी ही जीना चाहेगा। ~~इसीलिए~~ जंदगी को रंगीन बनाने केलिए हमें हर पल दिन सभी से अच्छे से व्यवहार करना चाहिए, हर पल पल को खुशीवाले बनाना चाहिए। हमें कभी भी बुराई के साथ नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे हमारे ही जीवन बर्बाद हो जाएगा और नशीली चीजों का उपयोग एक बार भी नहीं करना चाहिए क्योंकि उसके लत लग जाने के बाद हम अपने मन और शरीर को काबु नहीं कर सकते हैं। हमारे सारी नियंत्रण और खुशी पलक झपकते ही खतम हो जाएगी। अगर इसमें फस गए हैं तो, कोई चारा नहीं है।

जिंदगी एक फिल्म है और हम है इसके निदेषक। हमारे फैसले के अनुसार चलता है जिंदगी।

निदेशक के एक छोटे गलती के कारण एक पूरा फिल्म फ्लोप हो सकता है। वैसे ही हमारे कुछ गलत फैसलों से हमारा जिंदगी भी फ्लोप हो सकता है। हमें हमारे जीवन का सबसे बढ़िया निदेशक बनना चाहिए और हमारे जीवन को एक ब्लोकबस्टर बनाने का कोशिश निरंतर करने का प्रयास करना चाहिए। हमें सभी समय का फायदा उठाना चाहिए क्योंकि समय किसी केलिए भी नहीं रुकता है। बहुत सारे लोग है जो बुढ़ापे में सोचते है कि उसने अपने जवानी में उतना खुशी का अनुभव नहीं किया और वे उस समय पर लौटकर सभी समय जिंदगी को खुशी रहने केलिए प्रयास करेंगे। मगर यह असंभव है। हम उनके बातों से ही समझ सकते है कि बुढ़ापे में जवानी का खुशी कभी भी नहीं उठाया जा सकता है। इसीलिए हमें हमारे जीवित समय को बिलकुल भी बर्बाद नहीं करना चाहिए। पश्चाताप सबसे बड़ा दुख है जो मन को अत्याधिक पीड़ित कर देता है। तो हमें पश्चाताप का मौका कभी

भी होने देना का अवसर नहीं देना चाहिए।

हमें हमारे जिंदगी के खुशी के बारे में ख्याल रखते वक्त हमें दूसरों के खुशी के बारे में भी सोचना चाहिए क्योंकि वह भी हमारे जैसे ही हैं और उनको हमारे जैसे ही सभी मनोभाव होते हैं। 'प्यार' एक दवा है जिसे देकर दूसरों का दुख कुछ सीमा तक खतम किया जा सकता है। तो हमें वह दवा हर दुखि को देना चाहिए तो हमारे जीवन में दुख आते वक्त वह भी हमें प्यार का दवा पिलाकर हमारे दुख की अंत करवाएंगे। जीवन का सुख ज़्यादा दौलत होने से या सारी सुविधा वाले जिंदगी से नहीं है। उनसे खुशी तो मिलता है मगर असली खुशी तब मिलता है जब हर व्यक्ति प्यार से सबके साथ खुश होकर रहेंगे रिश्ते ही इस धरती में सबसे खुशीदायक है। प्यार करने वाले किसी व्यक्ति के साथ बिताए हुए कुछ समय हमें अत्यंत खुशी प्रधान करता है तो हमें सभी के साथ दुशमनी न

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

जताकर सबके साथ अच्छा रिश्ता रखना चाहिए।

जब हम जिंदगी का महत्व समझेंगे हम एक मिनट भी दुखि होने को नहीं बिताएंगे। ~~हम ए~~ जैसे व्यक्ति नशीली चीजों को डोस बढ़ाकर आनंद को बडाते हैं वैसे ही हम खुशी के मौकों को बढ़ाएंगे और ज्यादा परमानंद से अपने जीवन बिताने का प्रयास करेंगे। धीरे-धीरे हमें जिंदगी सबसे खूबसूरत लगेगा और जिंदगी नशा करेगा और हमें जिंदगी का लत लग जाएगी। हमें हमें बुराई प्रधान करने वाले चीजों का लत में नहीं पड़ना चाहिए मगर जिंदगी का नशा जरूर करना चाहिए और इसका लत बढ़ाना चाहिए। हर कोई को जीवन से अत्यंत सात्पर्य और मृत्यु से नफरत रखना चाहिए। ~~इसीलिए~~ हमें हमारा जिंदगी नामक फिल्म का एक अच्छा निदेशक बनना चाहिए और इस फिल्म को इतना बढ़िया बनाना चाहिए कि हर कोई इसके बारे में चर्चा करेंगे। सभी को इसकेलिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।